राजभाषा कार्यान्वयन समिति की दिनांक 03 अप्रैल, 2024 की बैठक का कार्यवृत्त

संस्थान की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक दिनांक 03 अप्रैल, 2024 को 12.30 बजे प्रशासनिक खण्ड के प्रथम तल पर स्थित समिति कक्ष में निदेशक महोदय की अध्यक्षता में आयोजित की गई।

बैठक में निम्नलिखित सदस्य उपस्थित हुए -

1.	आचार्य प्रमोद कुमार जैन, निदेशक	-	अध्यक्ष
2.	आचार्य अनिल कुमार त्रिपाठी	-	उपाध्यक्ष
3.	आचार्य विकाश कुमार दुबे, अधिष्ठाता (अनुसंधान एवं विकास)	-	सदस्य
4.	आचार्य राजेश कुमार, अधिष्ठाता (छात्र कल्याण)	-	सदस्य
5.	आचार्य एस.बी.द्विवेदी, अधिष्ठाता (शैक्षणिक कार्य)	-	सदस्य
6.	श्री राजन श्रीवास्तव, कुलसचिव (प्रभार)	-	सदस्य
7.	आचार्य सुशांत कुमार श्रीवास्तव, भैषजकीय अभियांत्रिकी विभाग	-	सदस्य
8.	आचार्य संजय कुमार पांडेय, गणितीय विज्ञान विभाग	-	सदस्य
9.	आचार्य सत्यवीर सिंह, रासायनिक एवं अभियांत्रिकी विभाग	-	सदस्य
10.	डॉ. सर्वेश कुमार तिवारी, संयुक्त कुलसचिव (प्रशासन एवं लेखा)	-	सदस्य
11.	मेजर निशा बलोरिया (सेवा.), उप कुलसचिव (राजभाषा)	-	सदस्य सचिव

अधिष्ठाता (संकाय कार्य) एवं अधिष्ठाता (संसाधन एवं पूर्व छात्र) तथा श्री जगदीश नारायण राय, संयोजक, केंद्रीय सचिवालय, हिंदी परिषद, वाराणसी बैठक में उपस्थित नहीं हो सके।

उपरोक्त बैठक में श्री महेश पांडेय, प्रणाली विशेषज्ञ (सी.सी.आई.एस) तथा श्री शशांक पाठक, हिन्दी अनुवादक उपस्थित रहे। बैठक के प्रारम्भ में अध्यक्ष महोदय द्वारा सदस्यों का स्वागत किया गया एवं अध्यक्ष महोदय की अनुमति से कार्यसूची के मदों पर चर्चा प्रारम्भ की गई।

मद सं. 1: राजभाषा कार्यान्वयन समिति की दिनांक 17 अक्तूबर, 2023 की बैठक के कार्यवृत्त की पुष्टि:

दिनांक 17 अक्तूबर, 2023 को आयोजित राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक के कार्यवृत्त की समिति ने पुष्टि की।

मद सं. 2: राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 17 अक्तूबर, 2023 की बैठक में लिए गए निर्णयों पर अनुवर्ती कार्रवाई की समीक्षा:

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की दिनांक 17 अक्तूबर, 2023 की बैठक में लिए गए निर्णयों पर अनुवर्ती कार्रवाई की समीक्षा करते हुए निम्नलिखित निर्णय लिए गए:

1. अधिष्ठाता (शैक्षणिक कार्य) ने अवगत कराया कि हिन्दी में बनाए गए सभी शैक्षणिक प्रपत्रों को उनके कार्यालय द्वारा लगभग तैयार किया जा चुका है। अतः यह निर्णय लिया गया कि अधिष्ठाता (शैक्षणिक कार्य) द्वारा उक्त प्रपत्रों को आगामी प्रस्तावित सीनेट की बैठक में रखा जाए।

2. संस्थान की वेबसाइट को हिन्दी में तैयार करने के क्रम में मुख्य पृष्ठ (https://devtst.iitbhu.ac.in) को समिति के समक्ष अवलोकन हेतु प्रस्तुत किया गया। समिति को यह अवगत कराया गया कि सभी विभागों/स्कूलों का परिचय एवं कर्मचारियों के नाम हिन्दी में प्राप्त हो चुके हैं। परंतु इसे वेबसाइट पर अपलोड करने से पहले एक बार जाँच लेना आवश्यक है अतः आचार्य संजय कुमार पांडेय एवं श्री शशांक पाठक, हिंदी अनुवादक द्वारा इसकी जांच 15 दिनों के भीतर कर ली जाए।

3. आचार्य सुशांत कुमार श्रीवास्तव, भैषजकीय अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी विभाग को "भारतीय विज्ञान का इतिहास" पुस्तक लेखन के प्रथम प्रारूप को प्रस्तुत करने हेतु मांगी गई छह माह की समयावधि को स्वीकृति प्रदान की गई।

4. संस्थान के हिन्दी अनुवादक द्वारा तैयार नागरिक अधिकार पत्र (सिटीजन चार्टर) को निदेशक महोदय द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया है तथा हिन्दी संस्करण को वेबसाइट पर अपलोड करने हेतु वेब मैनेजमेंट से अनुरोध करने का निर्णय लिया गया है।

मद सं. 3: राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार को संस्थान की ऑनलाइन माध्यम से भेजी गयी पिछली चार हिन्दी तिमाही प्रगति रिपोर्टों की समीक्षा।

समिति के समक्ष पिछली चार तिमाहियों (जनवरी 2023 से दिसंबर 2023) के हिन्दी प्रगति रिपोर्ट को प्रस्तुत किया गया, जिस पर समिति ने संतोष व्यक्त किया।

मद सं. 4: संस्थान में राजभाषा के प्रगामी प्रयोग एवं अन्य मद पर चर्चा के दौरान निम्नलिखित निर्णय लिए गए-

कृ.पृ.उ.

क) संस्थान की वेबसाइट में सूचना (NEWS) वाले कॉलम में दो भाग (हिन्दी एवं अँग्रेजी) रखे जाए। हिन्दी में जारी सूचना को हिन्दी वाले भाग में तथा अँग्रेजी में जारी सूचना को अँग्रेजी वाले भाग में रखा जाए।

ख) अधिष्ठाता (शैक्षणिक कार्य) द्वारा शोध-प्रबंध में सारांश का एक पृष्ठ हिंदी में तैयार करने के मामले को सीनेट की बैठक में रखा जाए।

ग) संस्थान के राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा अप्रैल-जून तिमाही में एक हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया जाए, जिसमें संस्थान के गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया जाए।

घ) हिंदी को प्रोत्साहन देने के क्रम में प्रत्येक माह के प्रथम कार्य-दिवस पर सभी कार्यालयी कार्य हिंदी में करने हेतु समस्त विभागों/स्कूलों/अनुभागों से अनुरोध किया जाए।

ङ) राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित किए जाने वाले सभी कार्यक्रमों के फोटोग्राफ्स/वीडियो को वेबसाइट पर किसी लिंक के अंतर्गत प्रदर्शित करवाया जाए। इसके लिए वेब मैनेजमेंट से श्री महेश पांडेय, प्रणाली विशेषज्ञ को उत्तरदायित्व दिया गया है।

च) आचार्य संजय कुमार पांडेय ने बताया कि अधिष्ठाता (संकाय कार्य) कार्यालय द्वारा संकाय सदस्यों के स्वीकृत अवकाश हिंदी में जारी नहीं हो रहे हैं अतः यह निर्णय लिया गया कि संकाय सदस्यों को स्वीकृत किए जाने वाले अवकाश को हिंदी में जारी करवाने हेतु अधिष्ठाता (संकाय कार्य) से अनुरोध किया जाए।

छ) हिंदी शिक्षण योजना के माध्यम से हिंदी भाषा संबंधी 5-दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन करवाया जाए, जिसके लिए संस्थान के अहिंदी भाषी क्षेत्रों से आए अध्यापकों/कर्मचारियों को प्रशिक्षित करवाया जाए। इस कार्यक्रम को आयोजित करने हेतु केंद्रीय हिन्दी प्रशिक्षण संस्थान से पत्र के माध्यम से अनुरोध किया जाए।

ज) अधिष्ठाता (छात्र कल्याण) कार्यालय द्वारा छात्रों के एक हिंदी भाषा समिति का गठन करवाया जाए। इस समिति द्वारा एक हिंदी कहानी, कविता, निबंध की पत्रिका भी निकाली जाए। इसमें जिमखाना में विद्यमान लिटररी क्लब को भी शामिल किया जाए।

झ) प्रत्येक विभाग/स्कूल अपने यहाँ आयोजित होने वाले कार्यशाला/सेमिनार में एक सत्र तकनीकी विषय पर हिंदी में रखा जाए।

ञ) शिक्षा नीति के अंतर्गत तकनीकी विषयों पर हिंदी में एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जाए। इस सम्मेलन में अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् (AICTE) को शामिल किया जाए। इसके लिए ए.आई.सी.टी.इ. से आवश्यक दिशा-निर्देश हेतु संपर्क किया जाए।

ट) राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा पहले से तैयार शब्दावली/वाक्यांशों की सूची को फाइलों के एक पृष्ठ पर मुद्रित करके प्रयोग करवाने हेतु सभी विभागों/अनुभागों से अनुरोध किया जाए।

Nisha Baloria 05 Apr 2024	सर्वेश 08/04	
(मेजर निशा बलोरिया)	(सर्वेश कुमार तिवारी)	(राजन श्रीवास्तव)
सदस्य सचिव	सदस्य	सदस्य
सत्यवीर सिंह		10/4/2024
(सत्यवीर सिंह)	(संजय कुमार पांडेय)	(सुशांत कुमार श्रीवास्तव)
सदस्य	सदस्य	सदस्य
राजेश कुमार		विकाश कुमार दुबे
(राजेश कुमार)	(एस.बी.द्विवेदी)	(विकाश कुमार दुबे)
सदस्य	सदस्य	सदस्य
अनिल त्रिपाठी		
(अनिल कुमार त्रिपाठी)		(प्रमोद कुमार जैन)
सदस्य		अध्यक्ष

डा लावण्या ... तथा प्रो अमिता मोहन को सदस्य के रूप में राजभाषा कार्यान्वयन समिति में रखा जा सकता है इससे समिति में महिला faculty का योगदान रहेगा।

निदेशक/ प्रमोद कुमार जैन

15/4